राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 77 | जौनपुर शनिवार, 31 अक्टूबर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

चक्रवात के दौरान बापटला चर्च में फंसे 15 लोगों को बचाया गया

आंध्र प्रदेश, (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि बापटला जिले के एक स्थानीय चर्च में फंसे 15 लोगों को हाल ही में आए भीषण चक्रवात 'मोंथा' के दौरान स्थानीय लोगों और बचाव दलों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मुख्यमंत्री ने बुधवार को एक्स पर पोस्ट किया, "बापटला जिले के पारचूर स्थित होसन्ना चर्च में फंसे 15 लोगों को स्थानीय निवासियों और बचाव टीमों ने मदद की गुहार मिलने के बाद करीब 15 मिनट में बचा लिया।" नायडू ने बचाव कार्य में शामिल सभी लोगों की सराहना की। मुख्यमंत्री द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में देखा गया कि चर्च में फंसे लोग कमर तक पानी में चल रहे थे। उन्हें बचावकर्मियों ने एक लंबी रस्सी के सहारे बाहर निकालने में मदद की, ताकि वे मजबूती से पकड़ बनाए रखते हुए बाढ़ के पानी को पार कर सकें। अंततः सभी लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया।

नागपुर के पास कार और बस की टक्कर में तीन लोगों की मौत

नागपुर, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में बुधवार को एक कार के एक निजी यात्री बस से टकराने में तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना नागपुर–जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 44 पर वडम्बा गांव के पास दोपहर में हुई। एक अधिकारी ने बताया, जबलपुर जा रही कार एक दोपहिया वाहन से टकराने से बचने के कारण नियंत्रण खो बैठी और यात्री बस से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई और उसमें सवार तीनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान जबलपुर निवासी कपिल साहनी (50), अमित अग्रवाल (51) और संदीप सोनी (51) के रूप में हुई है। कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आईं। उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है ।

झगड़े में एक व्यक्ति की मौत, एक अन्य घायल

हमीरपुर , (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के मौदहा इलाके में बुधवार को ग्रामीणों के दो पक्षों के बीच हुए विवाद में 20 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह घटना परचा गांव में हुई, जहां बांदा जिले के जसपुरा गांव में रहने वाले कालीदीन का बेटा रवि (20) किसी काम से अपने पैतृक गांव आया था। इस दौरान उसके और मैकू के बेटे पिंटू तथा पिंटू के परिवार के सदस्यों के बीच झगड़ा हो गया। इस झगड़े में रवि और पिंटू दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को मौदहा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गई, ।

रेलवे स्टेशन और मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क का होगा विकास - योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवगठित बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) क्षेत्र में एयरपोर्ट निर्माण के निर्देश दिए हैं। बीडा के समुचित विकास के लिए कनेक्टिविटी को और बेहतर करने पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आगरा–ग्वालियर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का बीडाध्झांसी तक विस्तारीकरण किया जाना चाहिए। इसके लिए एनएचएआई से संवाद किया जाए। इसी प्रकार, दिल्ली–चेन्नई की चतुर्थ रेलवे लाइन तथा बीडा क्षेत्र में रेलवे स्टेशन निर्मित करने की दिशा में भी कार्य किया जाए। काशी नरेश पीजी कॉलेज बनेगा विश्वविद्यालय उन्होंने दिल्ली–नागपुर इंडस्ट्रियल कॉरीडोर का एक नोड बीडा में विकसित करने

की जरूरत बताते हुए बीडा क्षेत्र में एक मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स पार्क के निर्माण के भी निर्देश दिए। साथ ही, यूपीडा को बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को बीडा से जोड़ने के लिए लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए एलाइनमेंट की प्रक्रिया तेजी से पूरीकरने के भी निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बीडा के कार्यों की अद्यतन प्रगति, भूमि अधिग्रहण की स्थिति, निर्माणाधीन परियोजनाओं तथा भावी औद्योगिक योजनाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड अब पिछड़ेपन की परिभाषा नहीं, बल्कि प्रगति के प्रतीक के रूप में उभरेगा। बीडा की सफलता से न केवल झांसी, बल्कि पूरे क्षेत्र में औद्योगिक क्रांति का मार्ग प्रशस्त होगा। ममता कुलकर्णी उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अगले 6 माह में अधिग्रहण की सारी कार्यवाही पूरी कर ली जाए। इसके लिए एक सप्ताह के भीतर रजिस्ट्री व राजस्व से जुड़े अतिरिक्त कार्मिकों की तैनाती की जाए। उन्होंने अपर मुख्य सचिव औद्योगिक विकास और सीईओ बीडा को यह निर्देश दिए कि अगले 15 दिवसों के भीतर बीडा में योग्य सिविल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, टाउन प्लानर और आर्किटेक्ट की तैनाती कर दी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीडा को प्रदेश के औद्योगिक विकास का नया ग्रोथ इंजन बनाते हुए इसे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और रोजगार सृजन का आदर्श मॉडल बनाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र की औद्योगिक प्रगति आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के दृष्टिकोण को सशक्त बनाएगी। कैलिब्रेशन फ्लाइट ट्रायल, पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन उन्होंने बीडा प्रशासन को एयरपोर्ट निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि चिन्हित करने के निर्देश भी दिए। बीडा के गठन के लिए कुल 56,662 एकड़ क्षेत्रफल अनुमोदित किया गया है, जिसमें से अब तक 22,028 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को पारदर्शी, समयबद्ध और ऑनलाइन बनाने के लिए बीडा द्वारा एक विशेष सॉफ्टवेयर विकसित किया गया है, ।

नरेंद्र मोदी ने सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर देंगे 1140 करोड़ की सौगात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केवडिया में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित समारोह का नेतृत्व करने के लिए बृहस्पतिवार से गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे। प्रधानमंत्री बृहस्पतिवार शाम को केवडिया के एकता नगर जाएंगे और वहां ई–बसों को हरी झंडी दिखाएंगे। साथ ही वह 1,140 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न अवसंरचना और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 150 रुपये का एक विशेष स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी करेंगे। प्रधानमंत्री शुक्रवार को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर पुष्पांजलि अर्पित

करेंगे, जिसके बाद सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह मनाया जाएगा। वह आरंभ 7.0 के तहत 100वें कॉमन फाउंडेशन कोर्स के अधिकारी प्रशिक्षुओं के साथ भी बातचीत करेंगे। पीएमओ से जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, एकता नगर में हो रहे विकास कार्यों का उद्देश्य पर्यटन अनुभव को बेहतर बनाना, क्षेत्र की पहुंच और कनेक्टिविटी में सुधार करना तथा सतत विकास से जुड़ी पहलों को प्रोत्साहित करना है।

पीएम मोदी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल राहुल गांधी का राजनीतिक दिवालियापन – रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर अभद्र भाषा का प्रयोग किया और यमुना नदी पर विवादित टिप्पणी की है। सीएम रेखा गुप्ता ने राहुल गांधी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि इस तरह की बयानबाजी उनके राजनीतिक दिवालियापन को दिखाता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, बिहार में राहुल गांधी ने अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत जिस तरीके से की है, वह न केवल राजनीतिक अपरिपक्वता का प्रतीक है, बल्कि करोड़ों छठ श्रद्धालुओं की आस्था का भी घोर अपमान है। उन्होंने कहा, छठ महापर्व पर उनकी टिप्पणी और मां यमुना को लेकर किया गया उपहास यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि उनकी सोच

भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं और लोक आस्था से कितनी दूर है। यह वही नकारात्मक प्रवृत्ति है जिसने अतीत में भी छठ जैसे पवित्र पर्वों को नीचा दिखाने का प्रयास किया था और आज फिर उसी अपमानजनक मानसिकता को दोहराया जा रहा है। महापर्व छठ के दौरान दिल्ली में बिहार के लोगों ने जिस उत्सव, आस्था और समर्पण के साथ छठी मैया की पूजा की, वह राहुल गांधी को रास नहीं आ रहा। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में जिस प्रकार दिल्ली सरकार ने यमुना घाटों पर आस्था और स्वच्छता का जो अद्भुत संगम प्रस्तुत किया है, वह श्रद्धा और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में बोले गए अपशब्द राहुल गांधी के राजनैतिक दिवालियापन को दर्शाता है। ये सिद्ध करता है की कांग्रेस के पास बिहार के लिए कोई एजेंडा नहीं है, ।

रन फॉर यूनिटी का बड़े स्तर पर आयोजन - अमित शाह

पटना, (एजेंसी)। पटना में आज केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इसे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संबोधित किया, इस दौरान उनके साथ केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय भी मौजूद रहे। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि सरदार पटेल व्यक्ति नहीं, एक विचारधारा हैं। उन्होंने आगे कहा कि सरदार पटेल आजादी की रीढ़ रहे हैं और देश निर्माण में सरदार पटेल का योगदान बेहद अहम है। इस दौरान उन्होंने कहा कि श्रद्धेय सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में एकता नगर केवड़िया कॉलोनी में जो भव्य परेड का आयोजन हो रहा है। उसकी सूचना देने के लिए सभी को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने आगे कहा

कि, हम सभी जानते हैं कि सरदार पटेल जी का आजादी के बाद देश को एक करने में और आज के भारत के निर्माण में और एक भारत बनाने में कितना बड़ा योगदान है। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने कहा– सरदार पटेल जी 150वीं जयंती पर विशेष आयोजन किया गया है और गृह मंत्रालय ने ये भी तय किया है कि आज के बाद हर 31 अक्तूबर को इसी प्रकार की भव्य परेड का आयोजन होगा। ये परेड देश की एकता और अखंडता को सुनिश्चित करने के लिए जो सभी सेंट्रल पैरामिलिट्री फोर्सेस हैं और हर राज्य की पुलिस बल है, उनके सम्मान में आयोजित किया जाता है और सरदार पटेल जी, जो देश की एकता और अखंडता की प्रतिमूर्ति हैं, उनकी प्रतिमा के सामने आयोजित होगा। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा इस बार रन फॉर यूनिटी को भी बड़े स्तर पर आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। देश के सभी राज्य, केंद्र शासित प्रदेश, जिला, पुलिस स्टेशन, सभी स्कूल और विश्वविद्यालय में रन फॉर यूनिटी का आयोजन हुआ है। देश के प्रत्येक नागरिक के लिए देश की एकता और अखंडता के लिए शपथ लेने का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस बार 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक भारत पर्व का आयोजन एकता नगर में किया गया है, जो 1 नवंबर से 15 नवंबर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती तक चलेगा और 15 नवंबर को जनजातीय संस्कृति और उनके सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक भव्य कार्यक्रम के साथ इसका समापन होगा।

भारत की कूटनीतिक जीत, चाबहार बंदरगाह पर अमेरिकी प्रतिबंधों से 6 माह की छूट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय पुष्टि की कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान में चाबहार बंदरगाह परियोजना पर अपने प्रतिबंधों से भारत को छह महीने की छूट दे दी है। यह कदम व्यापार वार्ता और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा सहित रणनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच चल रहे संवाद के बीच उठाया गया है। दक्षिण–पूर्वी ईरान में स्थित चाबहार बंदरगाह, पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए, अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुँचने के लिए भारत के लिए एक महत्वपूर्ण समुद्री संपर्क मार्ग के रूप में कार्य करता है। भारत और ईरान

द्वारा संयुक्त रूप से विकसित यह परियोजना क्षेत्रीय संपर्क और भू–आबद्ध देशों के साथ साझेदारी में व्यापार एवं बुनियादी ढाँचे के विकास को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि यह छूट क्षेत्र में मानवीय सहायता और आर्थिक स्थिरता जैसे अंतरराष्ट्रीय उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में चाबहार की भूमिका को मान्यता देती है। भारत को बंदरगाह पर परिचालन और विकास जारी रखने की अनुमति देकर, अमेरिका ने पश्चिम और मध्य एशिया में वैकल्पिक व्यापार मार्गों को बढ़ावा देने में बंदरगाह के भू–राजनीतिक महत्व को स्वीकार किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ष्पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखे हुए है,ष और कहा कि दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय और रणनीतिक हितों के मुद्दों पर चर्चा जारी है। उन्होंने सुझाव दिया कि यह छूट भारत की क्षेत्रीय विकास प्राथमिकताओं की व्यावहारिक समझ को दर्शाती है।

राजनीतिक ताकत के रूप में करें अपनी सामूहिक शक्ति का इस्तेमाल, महिलाओं से बोलीं प्रियंका गांधी

वायनाड, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को कहा कि महिलाएं देश की आधी आबादी हैं और जब वे अपनी ताकत को सामूहिक रूप से राजनीतिक ताकत के रूप में इस्तेमाल करेंगी, तो वे देश की दिशा तय कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि अक्सर महिलाओं के प्रयासों को पहचान नहीं मिलती, चाहे उनका पारिवारिक या सामाजिक दर्जा कुछ भी हो। लेकिन जब भी परिवार या समाज किसी संकट से गुजरता है, तो महिलाएं ही सबसे पहले मजबूती से खड़ी होती हैं। प्रियंका गांधी वायनाड के पाडिनजराथारा पंचायत की ओर से आयोजित कुदुंबश्री सीडीएस वार्षिक समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा, जब आप सामूहिक रूप में अपनी ताकत को समझेंगी, तो आप इस देश को आकार दे सकती हैं। आप हमारे देश की 50 फीसदी आबादी हैं और आपको इस ताकत का इस्तेमाल राजनीतिक शक्ति के रूप में भी करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, मुझे उम्मीद है कि आप में से ज्यादा से ज्यादा महिलाएं राजनीति में आएंगी, नेतृत्व करेंगी और यह दिखाएंगी कि जब महिलाएं मजबूती से खड़ी होती हैं और अपनी अंदरूनी शक्ति को पहचानती हैं, तो वे कितना कुछ कर सकती हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि कुदुंबश्री कार्यक्रम गरीबी उन्मूलन और महिला सशक्तिकरण के लिए शुरू किया गया है, उससे जुड़ी महिलाओं ने न केवल अपने परिवारों का भरण–पोषण किया है बल्कि एक–दूसरे की मदद भी की है। कांग्रेस सांसद ने बताया कि कुदुंबश्री की महिलाओं ने अपनी बचत को दस गुना तक बढ़ाने में सफलता हासिल की है।

तेजस्वी सूर्या की मांग : बेंगलुरु मेट्रो किराया घटाया जाए, जनता पर बोझ नहीं

बेंगलुरु, (एजेंसी)। भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बेंगलुरु दक्षिण से सांसद तेजस्वी सूर्या ने बुधवार को मांग की कि बेंगलुरु में मेट्रो का किराया जल्द से जल्द कम किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बेंगलुरु में 10 लाख लोग प्रतिदिन मेट्रो से यात्रा करते हैं, जबकि 45 लाख लोग बेंगलुरु महानगर परिवहन निगम (बीएमटीसी) की बसों का उपयोग करते हैं। यानी 55 लाख नागरिक पहले से ही सार्वजनिक परिवहन पर निर्भर हैं। तेजस्वी सूर्या ने कहा कि सरकार को किराया कम करने चाहिए। उन्होंने मेट्रो किराए में बढ़ोतरी की आलोचना करते हुए कहा कि शहर में कोनानाकुंटे से ओरियन मॉल तक चार लोगों के परिवार के लिए एक तरफा मेट्रो यात्रा का किराया 280 रुपए है, जबकि कार से यात्रा करने पर 160 रुपए लगते हैं। हालांकि, कार से यात्रा में 75 मिनट लगते हैं। क्या सार्वजनिक परिवहन पर बोझ डालने के बजाय उसे प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए? उन्होंने पूछा, ष्उदाहरण के लिए, अगर कोई कपल लालबाग से ओरियन मॉल तक मेट्रो से यात्रा करता है तो उसका किराया 100 रुपये है और उसे 25 मिनट लगते हैं। बाइक से इसका किराया केवल 30 रुपए है। क्या मेट्रो का किराया ऐसा होना चाहिए कि ज्यादा लोग इसका इस्तेमाल करें, या उसे बहुत ज्यादा ही रखना चाहिए?ष हवाई अड्डे तक जाने वाली ब्लू लाइन का काम शुरू में 2024 में पूरा होना था। अब वे कह रहे हैं कि यह 2026 तक आंशिक रूप से और 2027 तक पूरी तरह से तैयार हो जाएगी। भगवान ही जाने कि यह वास्तव में कब होगा। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने सरजापुर–हेब्बल मेट्रो लाइन के समान ही सुरंग सड़क का प्रस्ताव रखा है। मेट्रो का काम 2031 तक पूरा करने की योजना है, लेकिन सुरंग परियोजना की डीपीआर भी अभी तक लंबित है। सरजापुर–हेब्बल मेट्रो प्रति घंटे 69,000 यात्रियों को ले जा सकती है, लेकिन इस सरकार को इसकी कोई परवाह नहीं है। वे केवल 1,800 कार मालिकों की सेवा करना चाहते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर मोदी को राहुल की चुनौती

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला और 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम का हवाला देते हुए उनकी तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से की। बिहार के नालंदा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि 1971 के युद्ध के दौरान इंदिरा गांधी अमेरिका से न डरीं और न ही उनके आगे झुकीं, जबकि प्रधानमंत्री मोदी के पास न तो कोई दृष्टिकोण है और न ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सामना करने की क्षमता। गांधी ने कहा, ष1971 के बांग्लादेश युद्ध के दौरान अमेरिका ने भारत को डराने और धमकाने के लिए अपने विमान और नौसेना भेजी थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कहा था कि हम

आपकी नौसेना से नहीं डरते, आपको जो करना है वो करें, हमें जो करना है वो हम करेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि इंदिरा गांधी एक महिला थीं, लेकिन उनमें इस आदमी से ज्यादा हिम्मत थी। नरेंद्र मोदी कायर हैं। उनके पास न तो कोई विजन है और न ही अमेरिका के राष्ट्रपति के सामने खड़े होने की क्षमता। मैं उन्हें चुनौती देता हूंरू अगर नरेंद्र मोदी में हिम्मत है, तो बिहार की किसी भी सभा में उन्हें कहना चाहिए कि अमेरिका के राष्ट्रपति झूठ बोल रहे हैं और उन्होंने (पीएम मोदी) उनके सामने नहीं झुका और उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर नहीं रोका। वह ऐसा नहीं कर सकते। यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मंगलवार को फिर से यह दावा करने के बाद सामने आई है कि उन्होंने भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध को रोकने के लिए हस्तक्षेप किया था। दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू में एशिया–प्रशांत आर्थिक सहयोग के सीईओ लंच में बोलते हुए, ट्रंप ने दावा किया कि उनकी मध्यस्थता ने इस साल की शुरुआत में दोनों परमाणु–सशस्त्र देशों के बीच शत्रुता को रोका था। अपने हमलों को जारी रखते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी का 50 बार अपमान किया है। राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने नरेंद्र मोदी का 50 बार अपमान किया है।

संपादकीय

देश के लिए शर्मिंदगी है ट्रंप का बयान

एशिया पैसिफिक इकोनॉमिक को–ऑपरेशन सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए दक्षिण कोरिया पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाने का दावा किया है। ट्रंप ने नरेन्द्र मोदी को महान नेता, सुंदर व्यक्तित्व, लड़ाका बताते हुए तारीफ तो की, लेकिन इस तारीफ के साथ यह कहते हुए शर्मिंदा भी कर दिया कि उन्होंने टैरिफ लगाने की चेतावनी देकर भारत और पाक को युद्ध रोकने के मजबूर कर दिया था। ट्रंप ने केवल मोदी की तारीफ नहीं की, बल्कि उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की भी तारीफ की. और पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की तारीफ करते हुए कहा कि वो जबरदस्त फाइटर हैं। ट्रंप के बयान का यह वीडियो पूरी दुनिया में प्रसारित हो चुका है। अगर ट्रंप पहली बार ऐसा कुछ कहते और मोदी सरकार किंकर्तव्यविमूढ़ की मुद्रा में होती, तब माना जा सकता था कि ऐसे किसी अप्रत्याशित बयान का जवाब देने के लिए सरकार तैयार नहीं थी। लेकिन अमेरिका, जापान, सऊदी अरब, कतर, इजरायल, द.कोरिया हर जगह ट्रंप यही बात कहे जा रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को व्यापार रोकने की धमकी दी। दोनों देश परमाणु संपन्न हैं और युद्ध रुकना जरूरी था। इसलिए ट्रंप ने कहा कि आप लड़ाई रोको वर्ना हम व्यापार रोकेंगे और उसके बाद नरेन्द्र मोदी और शाहबाज शरीफ दोनों युद्ध विराम के लिए राजी हो गए। पाकिस्तान बेशक खुशी से इस तथ्य को स्वीकार करे कि उसने ट्रंप के सामने घुटने टेके हैं, लेकिन क्या भारत भी अब अपमान को सहज भाव से लेने लगा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तो बाकायदा नरेन्द्र मोदी को मौका दिया था कि वे संसद के भीतर कह दें कि डोनाल्ड ट्रंप झूठ कह रहे हैं और युद्धविराम उनके कहने पर नहीं हुआ था। अपनी ही देश की संसद से ज्यादा सुरक्षित स्थान नरेन्द्र मोदी के लिए नहीं हो सकता। अगर ट्रंप के डर का मुकाबला साथी सांसदों के साथ वे संसद के भीतर से करने की कोशिश करते तो शायद ट्रंप दुनिया भर में भारत का अपमान करते नहीं फिरते। लेकिन न जाने किन वजहों से नरेन्द्र मोदी आज तक ट्रंप को जवाब नहीं दे पाए हैं। क्या मोदी इस बात से खुश हैं कि ट्रंप ने उन्हें महान बताया, अच्छा मित्र और सुंदर व्यक्तित्व का बताया। लेकिन यही सारी बातें तो ट्रंप ने शाहबाज शरीफ के लिए भी कही हैं। बल्कि ट्रंप तो पाक फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की भी खूब तारीफ कर रहे हैं। जबकि यही जनरल मुनीर आए दिन भारत के लिए आग उगलते रहते हैं। अब तो बांग्लादेश के साथ मिलकर पाकिस्तान भारत के खिलाफ साजिश कर रहा है। हाल ही में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस से आसिम मुनीर के डिप्टी शमशाद मिर्जा ने मुलाकात की। इस दौरान मो. युनूस ने एक किताब शमशाद मिर्जा को भेंट की। जिसमें ग्रेटर बांग्लादेश का मानचित्र है। लेकिन असल में इस मानचित्र में असम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल के कुछ भाग को बांग्लादेश का हिस्सा बताया गया है। भारत के राज्यों को अपना हिस्सा बताना मासूम गलती नहीं हो सकती है। इसमें बांग्लादेश ने भारत के साथ झगड़ा बढ़ाने का एक और विषय तैयार कर लिया है, ध्यान देने वाली बात यह है कि इसमें पाकिस्तान बांग्लादेश के साथ खड़ा हुआ है।इस पूरी घटना के मद्देनजर जरा मोदी–शाह के बयानों को याद करें, जो अपनी हर चुनावी सभा में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा उछालते हैं। अभी निर्वाचन आयोग ने देशव्यापी एसआईआर कराने का जो ऐलान किया है, उसका समर्थन करते हुए भाजपा के सारे नेता सबसे पहले बांग्लादेशी घुसपैठियों को ही बाहर करने की बात करते हैं। जनता इन बयानों में बहक कर यह मानने लगती है कि देश में वाकई दीमक की तरह घुसपैठियों की आमद हो चुकी है, जो उनके हक को चट कर रही है। लेकिन जिस जमीन पर वाकई जनता का हक है, और उसे पड़ोसी देश अपना बता रहा है, उस पर सरकार का क्या कहना है, यह भी अब जनता को पूछ लेना चाहिए। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के जाते ही पाकिस्तान और बांग्लादेश की नजदीकियां बढ़ रही हैं। यह भारत के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। अब तक पाकिस्तान से ही भारत को खतरा रहता था, लेकिन इसमें बांग्लादेश का नाम और जुड़ जाए तो यह खतरे के बढ़ने का संकेत है। इसका पूरा फायदा चीन और अमेरिका को मिलेगा। वैसे भी ट्रंप अब चीन की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ा चुके हैं, यह घटना वैश्विक कूटनीति में बड़े यू–टर्न के रूप में देखी जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 27 अक्टूबर को यह घोषणा की है कि अमेरिका व चीन के बीच व्यापार समझौता होने जा रहा है। जो ट्रंप चीन के साथ ट्रेड और टैरिफ युद्ध छेड़ने की धमकी देकर पूरी दुनिया के व्यापार को प्रभावित करना चाहते थे, वो रेयर अर्थ मिनरल का दबाव पड़ते ही दोस्ती की जुबान बोलने लगे हैं।

शक्ति संतुलन की राजनीति में ट्रंप और शी जिनपिंग ने बड़ी सावधानी से अपनी चालें चलीं

नीरज

दक्षिण कोरिया के बंदरगाह शहर बसान में हुए एशिया–प्रशांत आर्थिक सहयोग (।च्ब्) सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई मुलाकात को वैश्विक कूटनीतिक मंच पर एक "बहुप्रतीक्षित क्षण" कहा गया। दोनों नेताओं की यह पहली आमने–सामने वार्ता 2019 के बाद हुई और उस पर विश्व की निगाहें इसलिए भी टिकी थीं क्योंकि अमेरिकादृ चीन व्यापार युद्ध ने पिछले कुछ वर्षों में न केवल वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को झकझोरा है, बल्कि आर्थिक विश्वास और राजनीतिक स्थिरता दोनों को हिला दिया है। ट्रम्प ने बैठक के बाद घोषणा की कि उन्होंने चीन पर लगाए गए टैरिफ को 57: से घटाकर 47: करने पर सहमति जताई है। इसके बदले में चीन ने तीन महत्वपूर्ण वादे किएकृ पहला, अमेरिकी सोयाबीन की खरीद तुरंत शुरू करनाय दूसरा, दुर्लभ खनिज (तंतम मंतजी) के निर्यात को जारी रखना और तीसरा, फेंटेनिल जैसे खतरनाक नशीले पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाना। सतही तौर पर यह एक संतुलित सौदा प्रतीत होता है कि दोनों देशों ने कुछ दिया और कुछ लिया। परंतु प्रश्न यह है कि क्या शी जिनपिंग ने वास्तव में कोई रणनीतिक उपलब्धि हासिल की, या यह केवल प्रतीकात्मक राहत है जिसे घरेलू राजनीतिक संतुलन साधने के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है? देखा जाये तो टैरिफ में 10 प्रतिशत अंकों की कमी का निर्णय, अपने आप में, आर्थिक दृष्टि से सीमित प्रभाव वाला कदम है। यह अमेरिकी उपभोक्ताओं और आयातकों के लिए अस्थायी राहत तो लाएगा, पर चीन के लिए यह 'महान कूटनीतिक जीत' नहीं कही जा सकती। चीन पहले से ही 57% के उच्च टैरिफ के कारण अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा खो चुका था। ऐसे में 47% पर लौटना किसी बड़ी संरचनात्मक सुधार की गारंटी नहीं देता। बल्कि यह कहना अधिक उचित होगा कि यह अमेरिका की ओर से नियंत्रित नरमी का संकेत है, ताकि दोनों देशों के बीच संवाद की संभावना बनी रहे। शी जिनपिंग ने अपने हिस्से की "रियायतें" ऐसे क्षेत्रों में दीं जो सीधे–सीधे चीन के हितों को बहुत प्रभावित नहीं करते। उदाहरण के लिए, सोयाबीन की खरीदकृ यह चीन की खाद्य आवश्यकताओं का हिस्सा है, न कि किसी नयी उदारता का प्रतीक। इसी तरह, तंतम मंतजी का निर्यात जारी रखना भी चीन की आर्थिक आत्मनिर्भरता के खिलाफ नहीं जाताय बल्कि यह विश्व बाजार में उसकी पकड़ बनाए रखने का ही तरीका है। हम आपको यह भी बता दें कि बसान वार्ता से ठीक पहले ट्रम्प ने अमेरिका क हथियार परीक्षण शुरू करने का निर्देश दिया था। यह घटना केवल संयोग नहीं थी, बल्कि एक स्पष्ट सामरिक संकेत थी कि अमेरिका यह जताना चाहता था कि उसकी "डील" कमजोर स्थिति से नहीं, बल्कि शक्ति–प्रदर्शन के साथ आ रही है। इस संदर्भ में यदि शी जिनपिंग ने 10 प्रतिशत टैरिफ रियायत के बदले में बातचीत को पटरी पर लौटाया, तो यह उनकी कूटनीतिक विवेकशीलता तो दर्शाता है, पर यह कोई रणनीतिक विजय नहीं है। चीन के लिए बड़ी चुनौती यह है कि वह आर्थिक रूप से अमेरिका पर निर्भरता कम करना चाहता है, पर विश्व आपूर्ति श्रृंखला में उसकी भूमिका अभी भी नाजुक है। तंतम मंतजी और तकनीकी उद्योगों के नियंत्रण के बावजूद, चीन को यह एहसास है कि अमेरिका की तकनीकी रोकथाम ने उसकी दीर्घकालिक महत्वाकांक्षाओं को सीमित किया है। इसलिए बसान की बैठक को चीन द्वारा "रणनीतिक स्थिति–संतुलन" के प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि किसी निर्णायक जीत के रूप में।

उधर, डोनाल्ड ट्रम्प ने बैठक के बाद इसे "हतमंज`नबबमे" कहा और अप्रैल में चीन की यात्रा की घोषणा भी की। परंतु ट्रम्प की सफलता का वास्तविक अर्थ घरेलू राजनीति में है। वह अमेरिकी मतदाताओं को

दिखाना चाहते हैं कि उन्होंने चीन को "कठोरता से" घेरा, पर अंततः अपने उद्योगों के लिए व्यावहारिक सौदेबाजी भी की। अमेरिकी कृषि राज्यों के लिए सोयाबीन व्यापार पुनः आरंभ होना ट्रम्प के लिए चुनावी पूंजी जैसा है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि बसान वार्ता से एक दिन पहले ही ट्रम्प प्रशासन ने रूस के परमाणु परीक्षणों के जवाब में अमेरिका द्वारा नए परमाणु हथियार परीक्षण की घोषणा की थी। इस प्रकार, अमेरिका ने एक ही मंच से दो संदेश दियेकृ रूस को सैन्य चुनौती और चीन को व्यापारिक नियंत्रित रियायत। यह वही "द्विस्तरीय शक्ति प्रदर्शन" है जिसकी नीति ट्रम्प के पहले कार्यकाल में भी झलकती थी। देखा जाये तो यह वार्ता केवल अमेरिका और चीन के बीच नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के संतुलन की दिशा तय करने वाली घटना थी। ।च्ब् का मंच, जो कभी मुक्त व्यापार और सहयोग का प्रतीक था, अब शक्ति–संतुलन और नियंत्रण का अखाड़ा बन गया है। अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियाँ और चीन की प्रतिकारी व्यापार रणनीति इस मंच की मूल भावना को चुनौती दे रही हैं। दूसरी ओर, विश्व निवेशक इस समझौते को लेकर अभी भी आशंकित हैं। एशियाई बाजारों में उतार–चढ़ाव और अमेरिकी सोयाबीन वायदा की कमजोरी बताती है कि बाजार को स्थायित्व का भरोसा नहीं है। इसका तात्पर्य यह है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अब "स्थायी सहमति" की नहीं, बल्कि "तत्काल अवसरों" की राजनीति में फँस चुकी है। बहरहाल, शी जिनपिंग के लिए बसान की बैठक निश्चित रूप से एक अवसर थी। उन्होंने यह दिखाया कि चीन संवाद और सहयोग की राह से बाहर नहीं है। परंतु वस्तुतः यह समझौता चीन के लिए रणनीतिक विस्तार नहीं बल्कि रणनीतिक नियंत्रण का प्रतीक है। उन्होंने टकराव को कुछ समय के लिए रोका, पर कोई नई भू–राजनीतिक या आर्थिक जीत हासिल नहीं की। मगर अमेरिका ने वही किया जो उसके हित में था। यानि कुछ नरमी दिखाकर वैश्विक मंच पर "संतुलनकारी शक्ति" की भूमिका निभाई। और चीन ने वही किया जो विवेक में था यानि कठोरता की बजाय व्यवहारिकता का चयन किया। बसान से निकला असली संदेश यही है कि इस युग में न तो कोई स्थायी मित्र है, न स्थायी प्रतिद्वंद्वीकृ केवल हित सर्वोपरि हैं और वही आज की विश्व व्यवस्था का वास्तविक आधार बन चुके हैं।

जागरुकता और कानून सख्ती से ही रुकेंगी ऑनर किलिंग

योगेंद्र

गुरुग्राम में पिता दीपक यादव ने परिवार की इज्जत बचाने के लिए अपनी बेटी पूर्व टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की गोली मार कर हत्या की थी। पिता और बेटी के बीच लंबे समय से तनाव और विवाद चल रहा था। चार्जशीट में आरोपी पिता दीपक ने बताया कि उसके गांव के लोग उसे टोकते थे कि तुम बेटी की कमाई खा रहे हो। बेटी के चरित्र पर भी उंगली उठाते थे। इससे उनके सम्मान को ठेस पहुंचती थी। इसलिए बेटी की हत्या कर दी। अभी तक यही माना जाता रहा है कि ऑनर किलिंग के ज्यादातर मामले गरीब और पिछड़ेपन के कारण ज्यादातर ग्रामीण इलाकों में ही होते हैं, किन्तु गुरुग्राम में हुई इस घटना ने साबित कर दिया कि कुछ हद तक यह मानसिकता शिक्षित लोगों के बीच शहरों में भी व्याप्त है। देश एक तरफ जहां अर्थव्यवस्था सहित दूसरे क्षेत्रों में छलांग लगा रहा है, वहीं आदिमयुगीन इस तरह की वारदात से भारत की छवि कलंकित हो रही है। दिल्ली की पत्रकार निरुपमा पाठक की मौत के साथ ऑनर किलिंग का मुद्दा सुर्खियों में आया था। आरोप था कि परिवार ने उसे इसलिए मार डाला क्योंकि वह गर्भवती थीं और अपनी जाति के बाहर के व्यक्ति से शादी करने की योजना बना रही थीं। इसके बाद राजधानी में संदिग्ध ऑनर किलिंग के दो और मामले सामने आए। हालांकि राजधानी में ऑनर किलिंग की घटनाएं दुर्लभ हैं, लेकिन भारत के उत्तरी राज्यों जैसे पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं आम हैं। ऑनर किलिंग के पीछे मूल कारण यह विचार है कि परिवार का सम्मान महिला की पवित्रता से जुड़ा होता है। ऑनर किलिंग के कई कारण हो सकते हैं, जैसे वैवाहिक बेवफाई, विवाह से पहले यौन संबंध, अनुचित संबंध, तय शादी से इनकार करना या यहां तक कि बलात्कार भी। भारत में ऑनर किलिंग तब होती है जब कोई जोड़ा अपनी जाति या धर्म के बाहर शादी करता है । करनाल की एक सत्र अदालत ने एक खाप पंचायत के आदेश के विरुद्ध विवाह करने वाले एक युवा जोड़े की हत्या के लिए पाँच लोगों को पहली बार मृत्युदंड सुनाया। अदालत ने खाप पंचायत के उस सदस्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई जिसने विवाह को अमान्य घोषित कर दिया था और जो हत्या के समय मौजूद था। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और आठ राज्यों को नोटिस जारी कर ऑनर किलिंग को रोकने के लिए उठाए गए कदमों की व्याख्या करने को कहा था। सरकार ने सतर्क रुख अपनाते हुए तत्कालीन कानून मंत्री एम. वीरप्पा मोइली के भारतीय दंड संहिता में संशोधन और खाप पंचायतों (जाति–आधारित संविधानेतर संस्थाएँ) पर लगाम लगाने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। केंद्र सरकार ने राज्यों से परामर्श करने और ऑनर किलिंग को एक सामाजिक बुराई मानने वाले एक विशेष कानून को लागू करने की संभावनाओं पर विचार करने के लिए एक मंत्रिसमूह गठित करने का निर्णय लिया था। तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र और केरल जैसे राज्यों में, जहाँ दलित समुदायों का अपेक्षाकृत अधिक सशक्तिकरण हुआ है, अंतर्जातीय विवाहों की दर भी अधिक दर्ज की गई है। भारत मानव विकास सर्वेक्षण द्वितीय के अनुसार, अंतर्जातीय विवाहों की राष्ट्रीय दर लगभग 5: है, लेकिन सशक्त दलित आबादी वाले राज्यों में यह दर अधिक है। विडंबना यह है कि इन्हीं राज्यों में ऑनर किलिंग की घटनाएँ भी बढ़ी हैं। यह विरोधाभास एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर करता है। ऑनर किलिंग वहाँ नहीं होती जहाँ जातिवाद सबसे ज़्यादा प्रबल होता है, बल्कि वहाँ होती है जहाँ यह सबसे ज़्यादा खत्तरे में है। जिन राज्यों में उत्पीड़ित लोग अभी भी अपनी ष्यथास्थितिष बनाए हुए हैं, वहाँ हिंसा कम होती है, इसलिए नहीं कि जातिवाद मौजूद नहीं है, बल्कि इसलिए कि इसे चुनौती नहीं दी जाती।

संयुक्त राष्ट्र संघ की विभिन्न रिपोर्टों में ऑनर किलिंग को विश्व में एक गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन बताया गया है, जो कि लैंगिक असमानता और पुरुष प्रधान समाजों में गहराई से निहित है। रिपोर्टों के अनुमान के अनुसार, हर साल दुनिया भर में लगभग 5,000 ऑनर किलिंग होती हैं, जिनमें 20: मामले भारत में होते हैं, हालाँकि सटीक आंकड़े अज्ञात हैं क्योंकि सभी देश आधिकारिक डेटा नहीं रखते हैं। ये रिपोर्टें बताती हैं कि यह सिर्फ भारत की ही नहीं, बल्कि मध्य पूर्व, दक्षिण एशिया और यूरोप के देशों सहित अन्य क्षेत्रों की भी एक वैश्विक समस्या है। यह समस्या मुख्य रूप से मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में व्यापक है, लेकिन बांग्लादेश, ब्राजील, कनाडा, इक्वाडोर, मिस्र, भारत, ईरान, इराक, इटली, मोरक्को, पाकिस्तान, स्वीडन, सीरिया, तुर्की, युगांडा, संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे विभिन्न देशों में भी होती है। कई देशों में ऑनर किलिंग को रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं, लेकिन अक्सर इन कानूनों का पालन नहीं किया जाता है या ये अपर्याप्त हैं। महिलाओं और लड़कियों के अलावा, एलजीबीटी समुदाय के लोग भी ऑनर किलिंग का शिकार हो रहे हैं। रिपोर्टों में इस बात पर जोर दिया गया है कि यह समस्या मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है और विशेष रूप से भारत में संवैधानिक अधिकारों का हनन करती है। ऑनर किलिंग अन्य प्रकार की लैंगिक–आधारित हिंसा का ही एक रूप है, जैसे कि एसिड अटैक, यातना और अपहरण। भारत में जाति एक दोराहे पर खड़ी है। एक ओर, हम

हिंसक प्रतिक्रियाएँ और ऑनलाइन महिमामंडन देख रहे हैं। दूसरी ओर, हम ऑनर किलिंग के खिलाफ मजबूत लोकतांत्रिक आवाजें और सामाजिक मूल्यों से धीरे–धीरे दूर होती एक नई पीढ़ी देख रहे हैं।

भारत में जाति और लिंगभेद आधारित समस्या नहीं गहरी जड़ें जमाए बैठी सामाजिक परिघटना है। जाति केवल इसलिए नहीं टिकती और फलती–फूलती है क्योंकि व्यक्ति उस पर जोर देते हैं, बल्कि इसलिए भी कि परिवार, समुदाय और समूची सामाजिक संरचनाएँ, जानबूझकर या अनजाने में, उसे लागू और वैध बनाती रहती हैं। जातिगत सीमाओं को पार करने वाले प्रेम संबंध, खासकर वे जो दलित पुरुषों और प्रभुत्वशाली जाति की महिलाओं के बीच होते हैं। ये संबंध केवल प्रेम या विद्रोह का प्रतिनिधित्व नहीं करते, बल्कि सदियों पुरानी जातिगत पदानुक्रमों को सीधी चुनौती देते हैं। ऑनर किलिंग या लिंग आधारित हिंसा देश के राजनीतिक दलों के लिए चिंता का विषय नहीं है, बल्कि नेता वोट बैंक की राजनीति के कारण आग में घी डालने का काम करते हैं। ऐसी शर्मनाक घटनाओं को रोकने के लिए राजनीति, शैक्षिक और कानून के जरिए जागरुकता लाने की जरुरत है।

किसानों की समृद्धि की नयी राह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की समृद्धि की नयी राह बनायी है। 24,000 करोड़ रुपये की लागत से शुरू की गई पीएम धन–धान्य कृषि योजना भारतीय कृषि के परिदृश्य में एक नए अध्याय की शुरुआत मानी जा सकती है। यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के विकास और किसानों की समृद्धि की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। जब जलवायु परिवर्तन, घटती उत्पादकता, और बढ़ती लागतों के बीच किसान जीवनयापन के संकट से जूझ रहे हैं, तब यह योजना उन्हें नई आशा और आत्मविश्वास देने का कार्य करेगी। इस योजना का मूल उद्देश्य देश के हर खेत तक सिंचाई सुविधा पहुंचाना, फसल उत्पादकता में वृद्धि करना, किसानों को सुलभ ऋ ण और भंडारण की बेहतर व्यवस्था प्रदान करना है। भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में आज भी लाखों किसान वग्रा आधारित खेती पर निर्भर हैं। अनियमित मानसून और सीमित सिंचाई संसाधन किसानों के जीवन को अनिश्चित बनाते हैं। ऐसे में, यह योजना जल प्रबंधन और सिंचाई के विस्तार के माध्यम से खेती को स्थायित्व और सुरक्षा प्रदान करेगी। धन–धान्य योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू आधुनिक भंडारण सुविधाओं के सृजन से जुड़ा है। भारत में हर वर्ष लाखों टन अनाज भंडारण की कमी के कारण खराब हो जाता है। अब आधुनिक गोदामों, कोल्ड स्टोरेज और ग्रामीण स्तर पर वेयरहाउसिंग की व्यवस्था किसानों को अपनी उपज सुरक्षित रखने में मदद करेगी। इससे उन्हें फसल को सही मूल्य मिलने तक बेचने का इंतजार करने का अवसर मिलेगा, और बिचौलियों पर उनकी निर्भरता घटेगी। किसानों को सुलभ और कम ब्याज पर ऋ ण उपलब्ध कराना भी इस योजना की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। छोटे और सीमांत किसान अक्सर बैंकिंग प्रणाली से दूर रह जाते हैं और स्थानीय साहूकारों के शोषण का शिकार बनते हैं। अब उन्हें सस्ते ऋ ण की सुविधा मिलेगी, जिससे वे आधुनिक बीज, कृषि यंत्र और नई तकनीकों को अपनाने में सक्षम होंगे। योजना का एक अन्य अहम आयाम कृषि में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना है। ड्रोन आधारित फसल निगरानी, स्मार्ट सिंचाई प्रणाली, मिट्टी परीक्षण, और जैविक खेती को प्रोत्साहन जैसी पहलें भारतीय कृषि को आत्मनिर्भर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाएंगी। यह कदम देश को डिजिटल एग्रीकल्चर के नए युग में ले जाने की क्षमता रखता है। भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ आज भी कृषि ही है। यदि यह योजना ईमानदारी, पारदर्शिता और राज्य सरकारों के सहयोग से सही दिशा में लागू होती है, तो यह केवल किसानों की आय बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण पुनर्जागरण का आधार बनेगी। इससे कृषि को उद्योग से जोडने, ग्रामीण युवाओं को रोजगार देने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में ठोस प्रगति होगी।

स्त्री सुरक्षा और सम्मान पर भाजपा के विचार क्या हैं

सर्वमित्रा

एक दिन में कोई भी बदलाव नहीं होता है, लेकिन उसकी शुरुआत कभी न कभी तो होती ही है। पहले महिलाओं के पढ़ने पर बंदिशें थीं। विधवा विवाह नहीं होते थे। सती प्रथा थी। बाल विवाह होते थे। ये सारी बुराइयां धीरे–धीरे ही सही लेकिन काफी हद तक दूर हुई हैं। इसी तरह

छेड़खानी, यौन हिंसा आदि के खिलाफ भी समाज में बदलाव लाने और उसे सुधारने की जरूरत है। विधर्मियों से विवाह करने वाली लड़कियों की टांगें तोड़ देनी चाहिए, ऐसा हिंसक सुझाव देने वाली प्रज्ञा ठाकुर लड़कियों से छेड़खानी करने वाले पुरुषों को किस तरह दंडित होते देखना चाहती हैं, यह जानने की उत्सुकता है। इस सवाल की भी जिज्ञासा है कि क्या वे भी कैलाश विजयवर्गीय की तरह छेड़खानी का शिकार लड़कियों में ही पुरुष सत्तात्मक समाज के नुमाइंदे भी हैं, जिसमें समाज में पुरुष का दर्जा स्त्री से ऊंचा माना जाता है। क्या प्रज्ञा ठाकुर खुद को पुरुषों से दोयम मानती हैं। अगर ऐसा है तो फिर ऐसे नेताओं का अंध समर्थन कर उन्हें सत्ता सौंपने वाले समाज को अपनी चिंता करना शुरु कर देना चाहिए। क्योंकि किसी न किसी तरह लड़की को ही गुनहगार समझने वाली निकृष्ट सोच उन तमाम असामाजिक तत्वों को हौसला देती है, जिनके कारण अंधेरा होने से पहले लड़कियों को घर आने की हिदायत घुट्टी की तरह पिलाई जाती है। जिनके कारण समाज में लड़कियों के लिए असुरक्षित माहौल बना हुआ है। पाठक 23 अक्टूबर की उस शर्मनाक घटना से परिचित होंगे, जब दिन के 11 बजे इंदौर में आस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की दो खिलाड़ियों के साथ छेड़खानी हुई। एक बाइक सवार ने दोनों खिलाड़ियों का पीछा किया, उनके साथ अभद्रता की, जिससे डर कर उन्होंने अपनी टीम को तत्काल मदद का संदेश दिया। इस बीच एक अन्य व्यक्ति ने दोनों खिलाड़ियों की मदद की और बाइक का नंबर नोट कर पुलिस को दिया, जिससे आरोपी को पकड़ने में मदद मिली। आस्ट्रेलियाई टीम के सुरक्षा प्रबंधक डैनी सिमंस ने बताया कि उन्हें पहले श्लाइव लोकेशनश अलर्ट मिला जो टीम के लिए इमरजेंसी संकेत होता है। इसके तुरंत बाद एक खिलाड़ी का व्हाट्सएप संदेश आया, कि मैं अपनी लाइव लोकेशन भेज रही हूं। एक आदमी हमारा पीछा कर रहा है और हमें पकड़ने की कोशिश कर रहा है।श फिलहाल आरोपी पुलिस की गिरफ्त में है, पता चला है कि उसका नाम पहले से पुलिस डायरी में दर्ज है। बहरहाल, यह प्रसंग यहीं खत्म नहीं होता है। इस बारे में सोशल मीडिया पर भी काफी बातें हुईं, आस्ट्रेलियन वीमेन्स टीम ने भी अपने एकाउंट से संदेश प्रसारित किए, लेकिन उसके जवाब में उन्हें ऐसी अभद्र टिप्पणियां सुनने मिलीं कि उन्होंने इस घटना से जुड़ी सारी पोस्ट्स हटा ली हैं। ऑस्ट्रेलियन वुमन क्रिकेट के एक्स अकाउंट से लिखा गया कि उस भयानक घटना के बारे में सभी ट्वीट हटा दिए हैं। उनके साथ जो हुआ उसके बारे में हमारी भावनाएं नहीं बदली हैं, लेकिन हम अपने प्लेटफॉर्म को गाली–गलौज, टिप्पणियों का जरिया नहीं बनने दे सकते। इस संदेश के बाद न केवल इंदौर और मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश को शर्मिंदगी महसूस करनी चाहिए कि हमारी कैसी छवि दुनिया में बन चुकी है। आस्ट्रेलियाई महिला खिलाड़ियों के साथ संभवतरू उनके गोरे रंग को देखकर यह अभद्रता हुई है। याद पड़ता है कि मुंबई में इसी तरह द.कोरिया की एक महिला यूट्यूबर के साथ दो लोगों ने छेड़खानी की थी, तब भी किसी स्थानीय व्यक्ति ने ही उसे बचाया था। दो साल पहले प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में एक विदेशी महिला के साथ होली पर अभद्रता की गई थी। झारखंड में साइकिल यात्रा पर निकले विदेशी जोड़े में महिला को सामूहिक बलात्कार का शिकार बनाया गया था। देश के वे तमाम पर्यटन स्थल, जहां विदेशी सैलानी बहुतायत में आते हैं, वहां भी छेड़खानी या नस्लभेद की वारदात आम बात हो चुकी है। इन घटनाओं के बाद अतिथि देवो भव या यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते जैसी सूक्तियां केवल दीवारों की शोभा बढ़ाती हुई ही दिखती हैं, क्योंकि समाज में यह भाव तो सिरे से गायब हो चुका है। इंदौर का मामला शायद इसलिए सुर्खियों में आया क्योंकि इसमें क्रिकेट जुड़ा हुआ है। भारत को अगर पर्यटन से भारी–भरकम कमाई होती है, तो उससे कहीं ज्यादा मुनाफा क्रिकेट मैचों से हो जाता है। लिहाजा बीसीसीआई कतई नहीं चाहेगा कि उस पर कोई गलत ठप्पा लगे। हालांकि भविष्य में जब भी किसी अन्य देश की महिला टीमें आएंगी, तब इस घटना का जिक्र होगा ही। इंदौर में छेड़खानी की घटना पर सवाल इसलिए भी उठ रहे हैं, क्योंकि यह न केवल मध्य प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी है, बल्कि इसके प्रभारी मंत्री और गृह विभाग के प्रमुख खुद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हैं। मध्यप्रदेश वैसे भी दुष्कर्म के मामलों में राजस्थान और उत्तरप्रदेश के बाद तीसरे स्थान पर आता है। एनसीआरबी के 2023 के आंकड़ों के अनुसार, मध्यप्रदेश में जनजातियों, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों की संख्या देश में चिंताजनक है। कायदे से कैलाश विजयवर्गीय को कानून व्यवस्था की इस बिगड़ती स्थिति पर अपने विचार रखने चाहिए थे। लेकिन जैसे पहले उन्होंने महिलाओं को लेकर विवादित बयान दिए हैं, एक बार फिर उन्होंने इसमें भी महिला खिलाड़ियों की गलती ही पकड़ी। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि खिलाड़ियों को बाहर निकलते समय स्थानीय अधिकारियों को सूचित करना चाहिए क्योंकि वे भारत में बहुत लोकप्रिय हैं। हालांकि उन्होंने आरोपी को सजा देने का भरोसा भी दिलाया। लेकिन उनके बयान से विवाद खड़ा हो गया। बताया जा रहा है कि खिलाड़ियों ने निकलने से पहले सूचित किया था। और मान लें कि नहीं भी बताया था, या वे भारत में लोकप्रिय नहीं होती, क्या तब भी उन्हें या किसी भी महिला को सुरक्षित माहौल नहीं मिलना चाहिए। हो सकता है अगर महिला खिलाड़ियों के साथ सुरक्षाकर्मी साथ होता, तो ऐसी वारदात नहीं होती। लेकिन मूल सवाल अब भी वहीं कायम है कि आखिर किसी सुरक्षा घेरे में निकलने की नौबत ही क्यों हो। क्यों यहां समाज की मानसिकता पर मंत्री महोदय सवाल नहीं उठाते। एक दिन में कोई भी बदलाव नहीं होता है, लेकिन उसकी शुरुआत कभी न कभी तो होती ही है। पहले महिलाओं के पढ़ने पर बंदिशें थीं। विधवा विवाह नहीं होते थे। सती प्रथा थी। बाल विवाह होते थे। ये सारी बुराइयां धीरे–धीरे ही सही लेकिन काफी हद तक दूर हुई हैं। इसी तरह छेड़खानी, यौन हिंसा आदि के खिलाफ भी समाज में बदलाव लाने और उसे सुधारने की जरूरत है। यह काम न केवल कानून बनाने से होगा, न केवल समाज के चाहने से होगा, बल्कि इसमें मिलजुल कर खुली सोच के साथ आगे बढ़ना होगा।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की जयंती पर जनपद में निकाली गयी राष्ट्रीय एकता मार्च

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर शासन के निर्देश के क्रम में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर आज जनपद में ऐतिहासिक राष्ट्रव्यापी अभियान "रन फॉर यूनिटी" के अंतर्गत राष्ट्रीय एकता मार्च का भव्य आयोजन किया गया। यह एकता मार्च प्रातः 8:00 बजे पुलिस लाइन से प्रारम्भ होकर लाइन बाजार, गांधी तिराहा, अम्बेडकर तिराहा होते हुए विकास भवन परिसर पर समाप्त हुई जहां पर स्थापित लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की भव्य प्रतिमा और क्रान्ति स्तंभ पर उपस्थित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण, आमजनमानस के द्वारा माल्यार्पण कर उन्हे नमन किया गया। पदयात्रा के दौरान महात्मा गांधी जी तथा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया गया। इस दौरान परिसर में बनाए गए सेल्फी पॉइंट पर उपस्थित सभी के द्वारा सेल्फी ली गई। जिलाधिकारी ने मुख्य अतिथि सहित सभी विशिष्ट अतिथिगण को लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की स्मृति चिन्ह भेंट की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सांसद राज्यसभा (गाजीपुर) डॉ० संगीता बलवंत जी रही। इस ऐतिहासिक पदयात्रा में विधायक शाहगंज रमेश सिंह, विधायक बदलापुर रमेश मिश्रा, विधायक मडियाहूं डॉ0 आर0 के0 पटेल, एमएलसी बृजेश सिंह "प्रिन्सू", अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर मनोरमा मौर्या, जिलाध्यक्ष श्री पुष्पराज सिंह, राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती गीता बिन्द, पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह, जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र, पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर पुलिस अधीक्षक शहरी आयुष श्रीवास्तव, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 राम अक्षयबर चौहान, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, उपजिलाधिकारीगण, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह, परियोजना निदेशक, बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण, पुलिस के जवान, एनसीसी के कैडेटस, बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग के अध्यापकगण, समूह की बहनें एवं अधिक संख्या में स्कूली छात्र–छात्राएं और आमजनमानस की उपस्थिति रही। दयात्रा के दौरान शामिल सभी ने हाथ में तिरंगा झण्डा लेकर सरदार वल्लभ भाई पटेल जी अमर रहे, भारत माता की जय जैसे नारो से माहौल को राष्ट्रप्रेम और एकता की भावना से ओत प्रोत कर दिया। सांसद राज्यसभा डॉ० संगीता बलवंत जी ने कहा कि आज लौहपुरूष वल्लभ भाई पटेल जी की 150वीं जंयती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

अयोध्या और गोरखपुर के प्रमुख मंदिरों में लगेगा 'फुटफॉल काउंटिंग सिस्टम'

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग अब राज्य के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर आधुनिक तकनीक का समावेश कर स्मार्ट टूरिज्म की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। वाराणसी के श्री काशी विश्वनाथ मंदिर, अयोध्या के राम मंदिर और गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में जल्द ही एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) कैमरा आधारित फुटफॉल काउंटिंग सिस्टम स्थापित किया जाएगा, जिससे इन स्थलों पर आने वाले हर श्रद्धालु और पर्यटक की रियल–टाइम गणना संभव हो सकेगी।परियोजना के क्रियान्वयन हेतु पर्यटन विभाग ने इच्छुक एजेंसियों से एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) आमंत्रित किए हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यह पहल धार्मिक पर्यटन स्थलों के अनुभव को नई तकनीक से जोड़ते हुए एक अभिनव परिवर्तन साबित होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली से न केवल आगंतुकों की सटीक गणना होगी, बल्कि यात्रा प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं के विकास और नीति निर्धारण में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा।मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि चयनित एजेंसी को इन तीनों पवित्र स्थलों पर फुटफॉल काउंटिंग सिस्टम की स्थापना, डेटा विश्लेषण और रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। एजेंसी इस प्रणाली के डिजाइन, डेवलपमेंट, इंस्टॉलेशन और मेंटेनेंस का कार्य करेगी। यह अत्याधुनिक व्यवस्था एआई आधारित फेस रिकग्निशन सिस्टम, फुटफॉल काउंटिंग, व्यवहारिक विश्लेषण और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली (इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम) जैसी तकनीकों से लैस होगी।यह स्मार्ट प्रणाली प्रत्येक स्थल पर आने वाले पर्यटकों की संख्या, भीड़ के घनत्व और प्रवाह का रियल–टाइम विश्लेषण करेगी।

संक्षिप्त खबरें

पैसा का प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने वाले 4 लोग गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर केराकत कोतवाली थाना अंतर्गत पुलिस टीम ने प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने वाले ,4 अभियुक्त अभियुक्ता को गिरफ्तार किया है।इनके पास से काफी संख्या में धर्म परिवर्तन कराने का सामान बरामद किया गया है।इस मामले में गुरुवार को जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयुश श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने वाले चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में दो महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से बाइबिल, ईसाई भजन माला, धर्म प्रचार संबंधी रजिस्टर, फोटो फ्रेम और मोबाइल फोन बरामद किए हैं जिनमें धर्म परिवर्तन से जुड़ी चौटिंग, वीडियो और तस्वीरें मिली हैं। प्रभारी निरीक्षक केराकत के नेतृत्व में यह कार्रवाई गुरुवार सुबह करीब 7रू15 बजे की गई। गिरफ्तारी सरकी गांव निवासी गीता देवी पत्नी राम अवध, रंजना कुमारी पुत्री राम अवध, सोनू पुत्र लहरू राम और विजय कुमार पुत्र हरिकंचन के घर से की गई।

गुलजारनगर में दो पक्षों में विवाद पर बवाल, पुलिस की तत्परता से टला बड़ा संघर्ष

लखनऊ, (संवाददाता)। थाना बाजारखाला क्षेत्र के गुलजारनगर में बीती देर रात बच्चों के बीच हुए मामूली विवाद ने देखते–देखते दो पक्षों के बीच हिंसक झगड़े का रूप ले लिया। विवाद की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस की समय पर की गई कार्रवाई से संभावित बड़ा विवाद टल गया।घटना की जानकारी के अनुसार, गुलजारनगर निवासी प्रथम पक्ष के रामधीरज उर्फ लल्ला पुत्र रामफेर और द्वितीय पक्ष के सुरेश पुत्र स्व. बाबूलाल के बीच बच्चों में हुए आपसी वाद–विवाद को लेकर झगड़ा शुरू हो गया। दोनों ओर से कई अन्य सदस्य भी इसमें शामिल हो गए और देखते ही देखते स्थिति तनावपूर्ण हो गई। सूचना मिलते ही थाना बाजारखाला पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को अलग कर स्थिति को शांत कराने का प्रयास किया।पुलिस के समझाने के बावजूद दोनों ओर के लोग उग्र हो गए और आमादा–ए–फौजदारी की स्थिति पैदा हो गई। मौके पर बढ़ते तनाव को देखते हुए पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दोनों पक्षों को निरोधात्मक कार्रवाई के तहत हिरासत में लिया। इसके बाद उन्हें धारा 170ध 126ध135 बीएनएसएस के अंतर्गत आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष भेजा गया।घटना के दौरान एक पक्ष की महिला पीड़िता ने लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की, जिसके आधार पर थाना बाजारखाला पुलिस ने मु0अ0सं0–182ध2025 अंतर्गत धारा 191(2), 115(2), 352, 351(3) बीएनएसएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया है। झगड़े में घायल हुए व्यक्तियों का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और पुलिस द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही जारी है। फिलहाल क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम है। पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की पुनरावृत्ति न हो सके। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

भदोही को मिला अपना विश्वविद्यालय योगी सरकार का बड़ा फैसला

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक कदम उठाया है। सरकार ने भदोही (संत रविदास नगर) के काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ज्ञानपुर को उन्नत कर 'काशी नरेश विश्वविद्यालय, भदोही' के रूप में स्थापित करने का निर्णय लिया है। इस फैसले से न केवल भदोही जनपद को अपना पहला विश्वविद्यालय मिलने जा रहा है, बल्कि पूर्वांचल क्षेत्र में उच्च शिक्षा के नए द्वार खुलेंगे।राज्य सरकार ने इस निर्णय को लागू करने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 में संशोधन करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इसके अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 2025 के प्रख्यापन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। संशोधन अधिनियम की धारा 4, धारा 50, धारा 52 और अनुसूची में आवश्यक परिवर्तन किए जाएंगे, जिससे प्रस्तावित विश्वविद्यालय का औपचारिक गठन संभव हो सके।उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता है कि प्रदेश के ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अपने ही जनपद में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के अवसर मिलें। उन्होंने कहा, "काशी नरेश विश्वविद्यालय, भदोही की स्थापना से स्थानीय युवाओं को महानगरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। उन्हें अपने ही जिले में उच्चस्तरीय और रोजगारोन्मुख शिक्षा उपलब्ध होगी।"मंत्री उपाध्याय ने बताया कि इस विश्वविद्यालय के गठन से न केवल भदोही के विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा, बल्कि पूरे पूर्वांचल क्षेत्र में शैक्षिक, शोध और नवाचार गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी।

मायावती भाजपा की है एजेंट : अजय राय

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बुधवार की देर रात जौनपुर में सुजानगंज में एक वरिष्ठ कांग्रेसी नेता का हाल जानने पहुँचे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मायावती के बयान मुस्लिम हमें वोट दे नाकि सपा पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि मायावती भाजपा की एजेंट है। बिहार में हमारे साथी पूरी ताकत के साथ लगे है। मुझे स्टार प्रचारक की जिम्मेदारी दी गयी है।मैं 3 से 4 बार बिहार होकर आया हूँ। इस बार बिहार के अंदर इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है।तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनने जा रही है।कांग्रेस पार्टी का डिप्टी सीएम बनेगा।मायावती मुसलमान की बात कर रही है।जो दलितों का वोट 100 प्रतिशत मिल रहा था।उन दलितों के बारे में आज तक एक भी शब्द नही बोला है।रायबरेली में हरिओम बाल्मीकि को मार पीट कर मार डाला गया।कानपुर की दलित महिला छठवें मंजिल से सुसाइड कर लिया।मायावती ने एक भी शब्द नही बोला।लखनऊ के काकोरी के रहने वाला आरएसएस के लोगों ने पेशाब चटवाया।अभी दो दिन का मामला है।मायावती दलित के बारे में नही बोलती है। सिर्फ नरेंद्र मोदी व भाजपा की तारीफ करती है।वो भाजपा की एजेंट है, और भाजपा के साथ मिलकर जनता को गुमराह करती है।और समाज के लोग समझ चुके है।कि ये पूरी तरह से भाजपा की दलाली कर रही है। इसलिए सब लोग इनको नकार चुके है। द्वारा इंडिया गठबंधन के वादों को जुमला और झूठा है, पर अजय राय ने कहा 2014 में मोदी जी ने कहा था बहनों भाईओ 2 हजार करोड़ लोगों को नौकरी मिलेगी अच्छे दिन आयेगे ।क्या यही अच्छे दिन है।पहले 22 हजार से 24 हजार 10 ग्राम सोना था क्या इस बार दिवापली पर कोई सोना खरीदा है इस बार सोना 10 ग्राम 1लाख 32 हजार रूपए था। सब लोग इस बार झाड़ू लेकर धनतेरस को लेकर गए हैं सबके खाते में 15 लाख रुपये आ गया क्या यही अच्छे दिन है। यह सब झूठ बोलने वाले लोग हैं अमित शाह ने कह दिया हो गया हम जो कहते हैं वह करते हैं हमने 2009 में किसानों का कर्ज माफ किया था बीजेपी के लोगों ने सिर्फ बड़े–बड़े व्यापारियों और गौतम अडानी जैसे लोगों का कर्ज माफ किया। 33000 हजार करोड रुपए है एलआईसी का फंसा दिया है। आज सब का पैसा है एलआईसी में फंसा हुआ है सब का पैसा गौतम अडानी के खाते में चला गया है सरकार ने ऐसा पैसा उनको दे दिया है अब हमारा हाथ खाली है हमारा जीवन अंधकार में है। राहुल गांधी पर मनोज तिवारी द्वारा दिया गया बयान की वो पाकिस्तान की भाषा बोलते है। इस अजय राय ने कहा कि मनोज तिवारी अब राहुल गांधी के बारे में बोलेंगे ये बहुत ही हास्यास्पद बता है मनोज तिवारी बिहार के रहने वाले हैं अच्छा गाना गाते हैं।उनको गाना गाते रहना चाहिए और सुनते रहना चाहिए।ब्ट को लेकर उहोंने कहा कि अमित शाह क्या बोल रहे है

संक्षिप्त खबरें

स्वच्छता, प्रकाश और भव्यता के साथ संपन्न हुआ

लखनऊ, (संवाददाता)। लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा इस वर्ष पूरे उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व स्वच्छता, प्रकाश और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन की सफलता के पीछे नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा की सतत मॉनिटरिंग, मार्गदर्शन और नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका रही।मंत्री ए.के. शर्मा ने छठ पर्व की तैयारियों की स्वयं समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न जनपदों के प्रमुख घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया और वीडियो कॉन्फरेंसिंग के माध्यम से सभी नगर निकायों से सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन की स्थिति की लगातार समीक्षा की। उनके निर्देशन और प्रेरणा से नगर कर्मियों, अधिकारियों और प्रशासनिक टीमों ने दिन–रात मेहनत कर घाटों को स्वच्छ, सुसज्जित और प्रकाशमान बनाया।सफाई मित्रों की मेहनत और विद्युत कर्मियों की सक्रियता के कारण प्रदेश के घाटों पर इस वर्ष का छठ पर्व स्वच्छता और दिव्यता का प्रतीक बन गया। विद्युत रोशनी से सजे घाटों पर श्रद्धालुओं को अद्भुत दृश्य देखने को मिला, जिससे संपूर्ण वातावरण आस्था और आनंद से भर गया।मंत्री ए.के. शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि छठ पर्व की सफलता छठ मैया और सूर्यदेव की कृपा से संभव हुई है। उन्होंने कहा कि यह माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा तथा नगर कर्मियों, अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों और नागरिकों की निष्ठा और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जनसहयोग से ही स्वच्छ, सुंदर और समृद्ध नगरों का निर्माण संभव है। छठ पर्व की शानदार व्यवस्थाओं को लेकर सोशल मीडिया पर भी व्यापक प्रतिक्रिया देखने को मिली। दो दिनों तक #Thanks। कई हैशटैग लगातार ट्रेंड करते रहे। लगभग 13,000 से अधिक श्रद्धालुओं, नागरिकों और सहकर्मियों ने सोशल मीडिया पर मंत्री ए.के. शर्मा को धन्यवाद और शुभकामनाएं दीं।नगर विकास मंत्री ने सभी नगर कर्मियों, अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नगर विकास विभाग जनता की सेवा और स्वच्छ, सुंदर नगरों के निर्माण के लिए पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करता रहेगा।

बीबीएयू में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के योग विभाग, खाद्य एवं पोषण विभाग तथा केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। आयोजन का उद्देश्य '8वें राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस' के अवसर पर योग, प्राकृतिक चिकित्सा और पोषण विज्ञान के माध्यम से स्वस्थ भारत की दिशा में जागरूकता बढ़ाना है।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में रंजन कुमार, आईएएस, प्रमुख सचिव, आयुष मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. हर्षवर्धन, निदेशक, CCRYN एवं मेडिकल सुपरिटेंडेंट, एसजीपीजीआई, और डॉ. नवीन के.वी., अध्यक्ष, इंडियन नेचुरोपैथी एंड योगा ग्रेजुएट्स मेडिकल एसोसिएशन शामिल होंगे।

आरपीआई ने भाजपा के पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह के बयान को बताया शर्मनाक, कार्रवाई की मांग की

लखनऊ, (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह के "10 मुस्लिम लड़कियों को लाओ, नौकरी का इंतजाम मैं करूंगा" जैसे विवादित बयान पर रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। आरपीआई ने इस बयान को न केवल शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण बताया है, बल्कि इसे सामाजिक सौहार्द को नष्ट करने की साजिश करार दिया है।आरपीआई के प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता ने कहा कि यह बयान भारत की गंगा–जमुनी तहजीब, संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक एकता पर सीधा प्रहार है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति ने हमेशा प्रेम, भाईचारे और सद्भाव को सर्वोच्च स्थान दिया है, लेकिन इस तरह के भड़काऊ और अमर्यादित बयान समाज में नफरत और वैमनस्यता का जहर घोलने का काम करते हैं। पवन भाई गुप्ता ने कहा कि लोकतंत्र में किसी भी जनप्रतिनिधि को इस प्रकार की गैरजिम्मेदार और सांप्रदायिक टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। ऐसे बयान न केवल सामाजिक शांति को भंग करते हैं, बल्कि महिलाओं के सम्मान और गरिमा पर भी आघात पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि आरपीआई इस बयान की घोर निंदा करती है और इसे असंवैधानिक एवं असंवेदनशील करार देती है।उन्होंने यह भी कहा कि आरपीआई मांग करती है कि शासन–प्रशासन और चुनाव आयोग इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कानूनी कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि इस मामले में ऐसी मिसाल कायम की जानी चाहिए जिससे भविष्य में कोई भी जनप्रतिनिधि समाज को धर्म या समुदाय के नाम पर बांटने का दुस्साहस न कर सके।पवन भाई गुप्ता ने कहा कि आरपीआई का स्पष्ट मत है कि देश तभी सुरक्षित और सशक्त रहेगा जब समाज में एकता, समानता और सौहार्द की भावना जीवित रहेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान के मूल आदर्शों कृ समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व कृ की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध हैउन्होंने अंत में कहा कि आरपीआई ऐसे किसी भी बयान या कार्रवाई का विरोध करती है जो देश की एकता, अखंडता और सामाजिक शांति को प्रभावित करती हो, और यह कि पार्टी हमेशा से "एक भारत, समरस भारत" के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

योगी सरकार ने उच्च शिक्षा में निजी निवेश को दी नई गति, तीन निजी विश्वविद्यालयों को संचालन प्राधिकार–पत्र और आशय–पत्र प्रदान

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण संस्थानों की स्थापना के लिए निरंतर कदम उठा रही है। इसी क्रम में बुधवार को तीन निजी विश्वविद्यालयों को संचालन प्राधिकार–पत्र और आशय–पत्र प्रदान किए गए।प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने लखनऊ स्थित अपने आवास पर राधा गोविन्द विश्वविद्यालय, चन्दौसी (जनपद सम्भल) और बोधिसत्व विश्वविद्यालय, बाराबंकी को संचालन प्राधिकार–पत्र सौंपा, जबकि ठाकुर युगराज सिंह विश्वविद्यालय, फतेहपुर के प्रायोजक एंग्लो संस्कृत कॉलेज, फतेहपुर को आशय–पत्र प्रदान किया गया।इस अवसर पर मंत्री उपाध्याय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार उच्च शिक्षा संस्थानों के विस्तार, कौशल आधारित शिक्षा और युवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण अध्ययन अवसर उपलब्ध कराने के लिए दृढ़तापूर्वक कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि निजी विश्वविद्यालय राज्य के शिक्षा परिदृश्य में पूरक भूमिका निभाते हुए युवाओं को उन्नत शिक्षा, अनुसंधान और रोजगार के अवसर प्रदान करेंगे।सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार राधा गोविन्द विश्वविद्यालय, चन्दौसी का नाम उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (पंचम संशोधन) अध्यादेश, 2025 की अनुसूची–2 में क्रमांक 52 पर तथा बोधिसत्व विश्वविद्यालय, बाराबंकी का नाम तृतीय संशोधन अध्यादेश, 2025 में क्रमांक 50 पर सम्मिलित किया गया है। शासन ने इन विश्वविद्यालयों के संचालन हेतु अधिसूचना और प्राधिकार–पत्र जारी कर दिए हैं।वहीं, फतेहपुर जिले में प्रस्तावित ठाकुर युगराज सिंह विश्वविद्यालय के लिए जारी आशय–पत्र में राज्य सरकार ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रायोजक संस्था को 5 करोड़ रुपये की स्थायी विन्यास निधि सृजित करनी होगी। इसके अलावा, 20 एकड़ (नगरीय क्षेत्र) या 50 एकड़ (ग्रामीण क्षेत्र) भूमि का स्वामित्व सुनिश्चित करते हुए 24 हजार वर्गमीटर फर्श क्षेत्रफल का निर्माण किया जाना आवश्यक होगा, जिसमें कम से कम 2 करोड़ रुपये मूल्य के शैक्षणिक उपकरण, फर्नीचर और प्रयोगशाला सामग्री स्थापित की जाएगी।इस अवसर पर प्रमुख सचिव एम. पी. अग्रवाल, सचिव अमृत त्रिपाठी, विशेष सचिव गिरिजेश त्यागी तथा संबंधित विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।इस पहल के साथ योगी सरकार ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि राज्य में उच्च शिक्षा को न केवल सुलभ और गुणवत्तापूर्ण बनाया जाएगा, बल्कि निजी क्षेत्र की भागीदारी से इसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप विकसित किया जाएगा।

महापौर सुषमा खर्कवाल ने नगर निगम मुख्यालय में सुनीं नागरिकों की समस्याएं

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर निगम मुख्यालय में बुधवार को आयोजित जनता दरबार में महापौर सुषमा खर्कवाल ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए तत्काल निर्देश जारी किए। जनता दरबार में नगर निगम कार्यकारिणी की उपाध्यक्ष चरणजीत गांधी, पार्षदगण तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।महापौर के समक्ष लगभग 200 से अधिक नागरिकों ने अपनी शिकायतें प्रस्तुत कीं, जिनमें अतिक्रमण, साफ–सफाई, पेयजल आपूर्ति, मार्गप्रकाश (स्ट्रीट लाइट), टैक्स और भवन संबंधी समस्याएं प्रमुख रहीं। महापौर ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही बुलाया और तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए।जनता दरबार में कई ऐसे मामले सामने आए, जिनमें तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता थी। महापौर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी शिकायतों का निस्तारण अधिकतम तीन कार्य दिवसों के भीतर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की शिकायतों के समाधान में लापरवाही या देरी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इस दौरान साउथ सिटी क्षेत्र से आईं 50 से अधिक महिलाओं के समूह ने अपने इलाके की समस्याएं महापौर के सामने रखीं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से स्ट्रीट लाइटें खराब हैं और सफाई कार्य नियमित रूप से नहीं हो रहा है। महापौर ने महिलाओं की बात गंभीरता से सुनी और मौके पर मौजूद अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम का दायित्व है कि शहर की हर गली–मोहल्ले में बुनियादी सुविधाएं बिना किसी बाधा के उपलब्ध कराई जाएं।महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य नागरिकों को सुगम, पारदर्शी और संवेदनशील प्रशासन देना है। जनता दरबार जनता और प्रशासन के बीच संवाद का सबसे प्रभावी माध्यम है, जिसके जरिए नागरिक सीधे अपनी समस्याएं रख सकते हैं और उनका त्वरित समाधान पा सकते हैं।उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में जनता दरबार को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए नए प्रयास किए जाएंगे।

सिविल अस्पताल परिसर में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

लखनऊ(आरएनएस)। राजधानी के सिविल अस्पताल परिसर में बीती रात एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान मयंकर उर्फ दीपू पुत्र चेतराम (उम्र लगभग 25 वर्ष), निवासी जालिमपुरा मंडोर सुमरावा लहरपुर, थाना तंबौर, जनपद सीतापुर के रूप में हुई है। वह सिविल अस्पताल परिसर स्थित कैंटीन में चाय की दुकान पर काम करता था।पुलिस के अनुसार, बुधवार की रात करीब दो बजे सूचना मिली कि सिविल अस्पताल के पुलिस चौकी पार्क रोड के सामने स्थित कैंटीन के पास एक युवक अचेत अवस्था में पड़ा हुआ है। सूचना पर तत्काल थाना हजरतगंज पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को इलाज के लिए सिविल अस्पताल हजरतगंज ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना पर मृतक के परिजन भी अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में पंचायतनामा की कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए केजीएमयू मर्चरी भिजवाया है। थाना हजरतगंज पुलिस का कहना है कि युवक की मृत्यु के कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा–तफरी का माहौल रहा। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ

वाराणसी में साइबर सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र का शुभारंभ

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने डिजिटल सशक्तिकरण मिशन के तहत युवाओं को साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में प्रशिक्षित और सक्षम बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। बुधवार को सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने वाराणसी स्थित महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ (एमजीकेवीपी) के सभागार में साइबर सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए.के. त्यागी ने की।इस अवसर पर मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि प्रदेश में साइबर सुरक्षा कौशल का विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य है कि उत्तर प्रदेश का हर युवा डिजिटल रूप से सशक्त बने और साइबर खतरों से निपटने में सक्षम हो। इस तरह के संस्थान राज्य को साइबर सशक्त प्रदेश बनाने की दिशा में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।"कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए.के. त्यागी ने कहा कि मंत्री सुनील शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तकनीकी नवाचार और साइबर शिक्षा के क्षेत्र में नए युग की शुरुआत कर रहा है। वहीं, इंटरनेशनल कॉलेज फॉर सिक्योरिटी स्टडीज (पै) के अध्यक्ष डॉ. आर.एस. नेहरा ने बताया कि यह केंद्र देश में बढ़ती साइबर सुरक्षा पेशेवरों की कमी को दूर करेगा और युवाओं को वैश्विक मानकों के अनुरूप आधुनिक साइबर कौशल प्रदान करेगा।केंद्र में 120 विद्यार्थियों के लिए दो अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्रयोगशालाएं (लैब्स), हाई–परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग सर्वर और उन्नत ओपन–सोर्स साइबर सुरक्षा उपकरण स्थापित किए गए हैं। यह केंद्र न केवल सैद्धांतिक ज्ञान बल्कि व्यावहारिक प्रशिक्षण पर भी केंद्रित होगा। इसमें डिजिटल फॉरेंसिक, थ्रेट इंटेलिजेंस, नेटवर्क डिफेंस और गवर्नेंस– रिस्क–कंप्लायंस जैसे क्षेत्रों में युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा।

'इकोजेन ने भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को गति देने के लिए ऑन-ग्रिड सोलर इन्वर्टर लॉन्च किया'

'लखनऊ। क्लाइमेट–स्मार्ट टेक्नोलॉजी और विकेन्द्रित स्वच्छ ऊर्जा समाधान में अग्रणी इकोजेन सॉल्यूशन्स ने आज अपने नवीनतम इकोजेन ऑन–ग्रिड सोलर इन्वर्टर के लॉन्च की घोषणा की। यह लॉन्च कंपनी के बढ़ते स्वच्छ ऊर्जा पोर्टफोलियो का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें इकोफ्रॉस्ट, इकोट्रॉन, इकोजेन सोलर, ओम्नी और स्मार्ट एसी जैसे उत्पाद शामिल हैं। भारत की बदलती पावर कंडीशंस के अनुरूप डिजाइन किया गया यह नया इन्वर्टर इकोजेन के मिशन को और मजबूत बनाता है कृ देश के हर घर और उद्यम के लिए स्वच्छ, प्रदूषण–मुक्त और विश्वसनीय ऊर्जा को सुलभ बनाना। पीएम सूर्य घर योजना (च्ड–ैळल) और अन्य सौर पहल के तहत रिकॉर्ड स्तर पर हो रही सोलर इंस्टॉलेशन को देखते हुए, इकोजेन यह सुनिश्चित करना चाहता है कि ग्राहकों को ऐसे उच्च प्रदर्शन वाले सिस्टम मिलें जो भारतीय ग्रिड परिस्थितियों के अनुरूप हों, जिनमें डाउनटाइम न्यूनतम और विश्वसनीयता अधिकतम हो। 3 किलोवॉट और 5.5 किलोवॉट क्षमता में प्रारंभिक तौर पर उपलब्ध यह इकोजेन ऑन–ग्रिड इन्वर्टर आवासीय, ग्रामीण और छोटे उद्यमों के लिए सुचारू संचालन सुनिश्चित करता है। आने वाले महीनों में विभिन्न लोड आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अन्य वैरिएंट्स भी लॉन्च किए जाएंगे। "इन्वर्टर किसी भी सोलर सिस्टम का दिल और दिमाग होता है," कहा श्री कार्तिक गोविंदराजन, वाइस प्रेसिडेंट, इकोजेन सॉल्यूशन्स प्रा. लि. ने। "हमारा खुद का ऑन–ग्रिड इन्वर्टर लाकर, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि भारत के छोटे कस्बों से लेकर उभरते शहरों तक के ग्राहक एक ऐसे उत्पाद तक पहुंच सकें जो भारत की बिजली परिस्थितियों के अनुसार डिजाइन किया गया हो, और जिसके पीछे इकोजेन की भरोसेमंद सेवा और गुणवत्ता की गारंटी हो।" ग्रामीण और अर्ध–शहरी भारत में इकोजेन की मजबूत उपस्थिति उसे व्यापक सौर अपनाने को सक्षम करने में एक विशिष्ट बढ़त देती है। कंपनी अपने विस्तृत डिस्ट्रीब्यूशन और सर्विस नेटवर्क का उपयोग करते हुए सरकारी और निजी दोनों सोलर पहलों के तहत रूफटॉप सोलर अपनाने वाले ग्राहकों तक भरोसे और प्रदर्शन दोनों पहुंचाने की योजना बना रही है। अंतिम उपभोक्ताओं के लिए, यह नया इन्वर्टर "भारत के लिए बना, भारत के लिए भरोसेमंद" गुणवत्ता, विश्वसनीयता और सशक्त आफ्टर–सेल्स सपोर्ट का वादा करता है कृ जो सौर अपनाने में दीर्घकालिक संतुष्टि के प्रमुख तत्व हैं। यह लॉन्च इकोजेन की पहचान को भारत के सबसे विश्वसनीय विकेन्द्रित ऊर्जा ब्रांड्स में से एक के रूप में और सुदृढ़ करता है, जिससे कंपनी का योगदान कृषि से आगे बढ़कर घरों, छोटे व्यवसायों और सामुदायिक ऊर्जा प्रणालियों तक विस्तारित हो गया है।

डबल डेकर बस व ट्रक में हुई आमने-सामने भिडंत,नौ यात्री घायल

अयोध्या।शुक्रवार की सुबह रायबरेली मार्ग पर मिल्कीपुर तिराहे के समीप दिल्ली से गोरखपुर जा रही डबल डेकर बस सामने से आ रही यूरिया लदी ट्रक से टकरा गई।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस के आगे का हिस्सा छतिग्रस्त हो गया।इस हादसे मे नौ यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 6रू30 बजे हुआ, जिससे बस में सवार यात्रियों में अफरा–तफरी मच गई।बताते चले कि इनायतनगर थाना क्षेत्र के मिल्कीपुर तिराहे पर यूरिया खाद से लदा ट्रक अयोध्या से अमानीगंज की ओर जा रहा था, जबकि डबल–डेकर बस दिल्ली से गोरखपुर जा रही थी।टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस व डायल 112 को सूचना दी।सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर भेजा, जहाँ से वहां पर तैनात चिकित्सकों ने सभी घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।घायलों में जुनैद (21), रितिक (24), चंद्रप्रकाश (35), आकाश (26), एमके श्रीवास्तव (50), लक्ष्मी यादव (15), सरोज यादव (36), अंजू भटनागर (45) और राजेश निषाद (24) के रुप मे पहचान हुई।हादसे के कारण हाईवे पर कुछ देर के लिए जाम लग गया।जिसे पुलिस ने वाहनों को हटवाकर खुलवाया।

संक्षिप्त खबरें

'जिला अपना दल एस जिला कार्यालय पर सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई

हरदोई अपना दल एस हरदोई जिला कार्यालय बघौली चौराहा पर सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई है और उनको माल्यार्पण किया गया।इस मौके पर अपना दल एस हरदोई के जिला अध्यक्ष राजेंद्र कुमार गौतम ने बताया सरदार पटेल,भारत के एक स्वतंत्रता सेनानी, अधिवक्ता तथा राजनेता थे। उन्हें लोग सरदार पटेल के नाम जानते हैं। श्सरदारश का अर्थ है श्मुखष। उन्होंने भारत के पहले उप–प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। पटेल का जन्म नडियाद, गुजरात में एक लेवा पटेल (पाटीदार) जाति में हुआ था। वे झवेर भाई पटेल एवं लाडबा देवी की चौथी संतान थे। सोमाभाई, नरसीभाई और विट्ठलभाई उनके अग्रज थे। उनकी शिक्षा मुख्यतः स्वाध्याय से ही हुई। लन्दन जाकर उन्होंने बैरिस्टर की पढाई की और वापस आकर अहमदाबाद में वकालत करने लगे। महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित होकर उन्होने भारत के स्वतन्त्रता आन्दोलन में भाग

लिया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता थे जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाई। स्वतंत्र भारत में देशी रियसतों के एकीकरण की महान चुनौती को उन्होंने सफलतापूर्वक हल किया। 1947 के भारत–पाकिस्तान युद्ध के दौरान गृह मंत्री के रूप में कार्य किया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार प्रधान अल्पसंख्यक मंच के अध्यक्ष शाहिद अली ,छात्र मंच के जिला अध्यक्ष देवेंद्र कुमार गौतम बालामऊ विधान सभा के अध्यक्ष ओमप्रकाश प्रधान, जिला सचिव मान सिंह, विजय कुमार ,जितेंद्र कुमार , सहकारिता मंच के जिला अध्यक्ष गुड्डू कश्यप, आदि सैकड़ों पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का हुआ आयोजन'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' पाली नगर स्थित सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रन फॉर यूनिटी–एकता सदभाव और राष्ट्र निर्माण के अंतर्गत निकाली गई रैली में कालेज के छात्रध्छात्राओं सहित अध्यापकों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर कालेज के बच्चों ने रैली के माध्यम से सरदार वल्लभ भाई पटेल के जिंदाबाद के नारे लगाकर उन्हें याद किया। रैली के माध्यम से बच्चों ने एक भारत श्रेष्ठ भारत के नारे लगाकर लोगों को एकता के महत्व से अवगत कराया। नारों के जय घोष से वातावरण गुंजायमान हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम

कालेज के प्रधानाचार्य डॉ वेदप्रकाश द्विवेदी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर किया। तत्पश्चात कालेज के समस्त शिक्षकधशिक्षिकाओं और कर्मचारियों सहित बच्चों ने स्वतंत्र भारत के प्रथम गृहमंत्री,भारत की एकता और अखंडता के प्रतीक,अखंड भारत के निर्माता भारत रत्न ,लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की साथ ही शिक्षक सोनू कुमार के द्वारा रन फॉर यूनिटी के अंतर्गत बच्चों को राष्ट्रीय एकता शपथ दिलाई गई। इस मौके पर कालेज के प्रधानाचार्य डॉ वीपी द्विवेदी ने बच्चों को सरदार वल्लभ भाई पटेल का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनका अपने देश के प्रति समर्पण और उनका देश के प्रति एकता और अखंडता बनाये रखने में योगदान को बताते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला और उन्होंने बताया कि भारत राष्ट्रीय एकता महान व्यक्तित्व वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल को समर्पित है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आज ऊंचाइयों को छू रहा : कृपाशंकर सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारत के लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल का नाम देश की एकता, अखंडता और साहस का प्रतीक है। उन्होंने न केवल आजादी की लड़ाई में अहम भूमिका निभाई बल्कि स्वतंत्र भारत को एकसूत्र में बांधने का कठिन कार्य भी किया। इसलिए हर साल 31 अक्टूबर को उनकी जयंती "राष्ट्रीय एकता दिवस" के रूप में मनाई जाती है। उक्त बातें राज्यसभा सांसद डॉ संगीता बलवंत ने कही। जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी वह पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपा शंकर सिंह ने कहा कि गुजरात की माटी में जन्मे देश में लौह पुरुष के नाम से विख्यात देश के पहले उप प्रधानमंत्री की 150 वीं जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित जन फॉर यूनिटी के कार्यक्रम पूरे देश में मनाया जा रहा है यही नहीं उसी माटी में जन्मे देश के यशस्वी,अलौकिक,देश के प्रति जज्बा रखने वाले यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में

देश आज उस ऊंचाई पर ले जा रहे है जिस पर ले जाने की परिकल्पना सरदार बल्लभ भाई पटेल ने की थी। जिले में आजशासन के निर्देश के क्रम में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर ऐतिहासिक राष्ट्रव्यापी अभियान रन फॉर यूनिटी के अंतर्गत 31 अक्टूबर 2025 को प्रातः 8रू00 बजे पुलिस लाइन से विकास भवन तक राष्ट्रीय एकता मार्च निकाली गयी पदयात्रा पुलिस लाइंस से आरंभ होकर विकास भवन स्थित सरदार बल्लभ भाई पटेल के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर इस पदयात्रा की समाप्ति के पश्चात राष्ट्रीय एकता शपथ दिलाई जाएगी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सांसद राज्यसभा डॉ0 संगीता बलवंत ,पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह,भाजपा के। विधायक बदलापुर,शाहगंज,भाजपा प्रवक्ता ओमप्रकाश सिंह सहित भाजपा जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह भी मौजूद रहे ,वही जिला प्रशासन की तरफ से जिलाधिकारी और ऐप्स सहित।

एकता की दौड़ में दौड़ा पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिवार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में शुक्रवार 31अक्टूबर को भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती ''सरदार पटेल/150'' के उपलक्ष्य में शुक्रवार को कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यह आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वावधान में मनाया गया। विश्वविद्यालय परिसर स्थित सरदार पटेल जी की प्रतिमा पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया और राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। इस अवसर पर कुलसचिव केश लाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह, उपकुलसचिव बबिता सिंह, सरला सिंह, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. राजबहादुर यादव, प्रो. राजेश शर्मा ने पुष्पांजलि दी। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि सरदार पटेल ने भारत की एकता, अखंडता और प्रशासनिक सुदृढ़ता की मजबूत नींव रखी। उनका जीवन सिखाता है कि दृढ़ संकल्प और कर्मनिष्ठा से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार से आग्रह

किया कि सभी शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी और छात्र–छात्राएं सरदार पटेल के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनें। इस दौड़ में विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वय नोडल अधिकारी डॉ. शशिकांत यादव एवं प्रभारी एनसीसी डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर डॉ मनीष कुमार गुप्ता, डॉ जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ सुनील कुमार, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ नृपेंद्र सिंह, डॉ सुरेन्द्र कुमार सिंह, डॉ आलोक गुप्ता, डॉ विनोद कुमार, डॉ अनुराग मिश्र, सुशील प्रजापति, संजय सिंह, डॉ अवधेश कुमार मौर्य, स्वयंसेवक अभिनव कीर्ति पाण्डेय, सुमित सिंह, आनंद कुमार सिंह शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

थाना कुमारगंज परिसर में भी मनी सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती

अयोध्या। शुक्रवार को कुमारगंज थाना परिसर में भारत रत्न से सम्मानित लौह पुरुष व देश के प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती व एकता दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई।इस मौके पर कुमारगंज थानाध्यक्ष ओम प्रकाश व अन्य पुलिस कर्मियों ने लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दिया।इस मौके पर उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने समाज को एकता में बांध।कर सराहनीय कार्य किया था। जिसे हम आज एकता दिवस के रूप में भी मना रहे है। उनके द्वारा किए गए इस सराहनीय कार्य को आज तक नहीं भूला जा सकता।कहा कि वर्तमान समय में हमारा भारत इतना विशाल और उसकी सीमाएं सुरक्षित है यह सरदार वल्लभ भाई पटेल की ही देन है।उन्होंने कहा कि हम सभी को उनके बताए हुए रास्ते पर चलना चाहिए तभी हम सभी अपने परिवार के साथ–साथ समाज व राष्ट्र का विकास कर सकते हैं।इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद पुलिसकर्मियों को शपथ दिलाया। इस मौके पर कुमारगंज थाना परिसर में तैनात उपनिरीक्षक धनीराम वर्मा कांस्टेबल शशिकांत के अलावा थाना परिसर में तैनात सभी पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

महिला थाना परिसर में भी हर्षोल्लास मना सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती

अयोध्या।शुक्रवार को महिला थाना परिसर मे भी भारत रत्न से सम्मानित लौह पुरुष व देश के प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती व एकता दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई।इस मौके पर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला व अन्य पुलिस कर्मियों ने लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दिया।इस मौके पर उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने उसे समय समाज को एकता में बांधकर सलाहनीय कार्य किया था जिसे आज तक नहीं भूल जा सकता। आज जो वर्तमान समय में हमारा भारत इतना विशाल और उसकी सीमाएं सुरक्षित है यह सरदार वल्लभ भाई पटेल की ही देन है। उन्होंने कहा कि हम सभी को उनके बताए हुए रास्ते पर चलना चाहिए तभी हम सभी अपने परिवार के साथ–साथ समाज व राष्ट्र का विकास कर सकते हैं।इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद पुलिसकर्मियों को शपथ दिलाई। इस मौके पर महिला थाना परिसर में तैनात उप निरीक्षक संजीव मिश्रा,महिला उप निरीक्षक प्रिया के अलावा महिला कांस्टेबल रोली, सोनिया,ज्योतिमा,पायल कई महिला पुलिसकर्मी शामिल रही।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर निकली एकता दौड़

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे 'राष्ट्रीय एकता दिवस'' के अवसर पर समाज में एकता, अखंडता एवं सद्भावना का संदेश प्रसारित करते हुए "रन फॉर यूनिटीदृ 2025" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष भाजपा अनुसूचित मोर्चा रामचंद्र कनौजिया ने कहा कि सरदार पटेल का अटूट दृढ़ संकल्प और दूरदर्शिता ने एक विविध राष्ट्र को एक लोकतांत्रिक गणराज्य में एकीकृत किया। यह दिन केवल एक जन्मदिवस नहीं, बल्कि उस महान विरासत को याद करने का अवसर है जिसने हमारे देश की नींव रखी। सरदार पटेल का जीवन हमें सिखाता है कि दृढ़ संकल्प और अटूट इच्छाशक्ति से असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन आजादी के बाद राष्ट्र निर्माण में उनका योगदान अद्वितीय रहा। राष्ट्रीय एकीकरण के महानायक सरदार पटेल को मुख्य रूप से 560 से अधिक रियासतों को भारतीय संघ में एकीकृत करने के उनके अविश्वसनीय कार्य के लिए जाना जाता

है। उनकी कूटनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ता ने भारत को विघटन से बचाया और एक ष्एक भारत, श्रेष्ठ भारतष् का सपना साकार किया। यदि वह न होते, तो शायद आज का भारत वैसा न होता जैसा हम देखते हैं। उन्होंने अखिल भारतीय सेवाओं को ष्स्टील फ्रेमष् कहा, जो देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। एक कुशल प्रशासक के रूप में, उन्होंने सुशासन और सार्वजनिक सेवा को सर्वोपरि रखा। जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती का मुख्य संदेश ष्विविधता में एकताष् है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर हम सभी को यह शपथ लेनी चाहिए कि हम राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए खुद को समर्पित करेंगे। हर वह विचार या कार्य जो राष्ट्र की एकता को कमजोर करता है, उसे हर नागरिक द्वारा त्यागा जाना चाहिए। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी विरासत हमें एक मजबूत, एकजुट और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित करती है। आइए, हम उनके दिखाए रास्ते पर चलें और एक ऐसे भारत का निर्माण करें जिस पर हमारे पूर्वजों को गर्व हो। कार्यक्रम को जिलाधिकारी अनुनय झा ने भी संबोधित कर सरदार पटेल के कृतित्व पर प्रकाश डाला। जिलाधिकारी अनुनय झा, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती एवं भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने अंबेडकर मैदान में बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर राष्ट्रीय राष्ट्रीय एकता दौड़ को हरी झंडी दिखा शुभारंभ किया। जिलाध्यक्ष ने पौधारोपण किया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सरदार पटेल और उनके कृतित्व पर संबोधन और रंग रंग कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्रीय महामंत्री अनुसूचित मोर्चा पीके वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष विद्याराम वर्मा, राजीव रंजन मिश्रा, रामबहादुर सिंह, सौरभ मिश्र नीरज, जिला उपाध्यक्ष राजेश अग्निहोत्री, सिद्ध प्रताप मौर्य, कर्मवीर सिंह, संदीप सिंह, संजय सिंह, जिला महामंत्री अनुराग मिश्र ओम वर्मा सत्येंद्र कुमार सिंह राजपूत, पू उपाध्यक्ष आजाद भदौरिया, जिला मंत्री अविनाश पांडे अजय शुक्ला नीतू चंद्रा, मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक सुभाष पांडेय, गौरव भदौरिया, महिला मोर्चा अध्यक्ष अलका गुप्ता युवा मोर्चा अध्यक्ष आकाश सिंह, किसान मोर्चा अध्यक्ष विश्वराज सिंह, पारिषा तिवारी, कपिल मोहन गुप्ता सहित जिले व नगर के तमाम पदाधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

कुमारगंज पुलिस संशोधन कानून के बारे में क्षेत्र वासियों को कर रही जागरूक

अयोध्या।अंग्रेजों के समय मे लागू हुई कानून को भारत सरकार द्वारा किए गये बदलाव के बारे में कुमारगंज पुलिस क्षेत्र के लोगों को जागरुक कर रही है।शुक्रवार को थानाध्यक्ष कुमारगंज ओम प्रकाश के नेतृत्व में पुलिस कर्मियों ने थाना क्षेत्र के राम नगर, तेंदा के अलावा कई बाजारों व ग्राम पंचायतो में जाकर बैनर व पोस्टर के माध्यम से लोगों को जागरूक किया।इस मौके पर थानाध्यक्ष ओमप्रकाश ने लोगों को जागरुक करते हुए कहा कि पहले अंग्रेजों द्वारा बनाई गई कानून से देशवासियों को उस तरह की मदद नहीं मिल पाती थी जैसे कि मिलनी चाहिए।जिसको देखते हुए सरकार ने पुराने कानून में बदलाव करते हुए नया कानून बनाया। लोगों को जागरुक करते हुए उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम में किए गए किए गए बदलाव से लोगो को तुरंत व उचित न्याय मिलेगा।इस मौके पर उप निरीक्षक धनीराम वर्मा, हेड कांस्टेबल उमेश कुमार कांस्टेबल शशिकांत मिश्रा,ग्राम प्रधान तुलसीराम व कई क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

पूर्व सांसद धनंजय सिंह के नेतृत्व में राष्ट्रीय नौजवान सभा के बैनर तले आयोजित की गई पद यात्रा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर एक पदयात्रा निकाली। यह पदयात्रा शुक्रवार को राष्ट्रीय नौजवान सभा के बैनर तले आयोजित की गई, जिसमें हजारों की संख्या में युवा शामिल हुए। इस दौरान भारी भीड़ उमड़ी और जबरदस्त प्रदर्शन देखने को मिला। धनंजय सिंह ने हजारों समर्थकों के साथ इस जन एकता रैली का नेतृत्व किया।यह रैली नगर के मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज से सुबह करीब 9 बजे शुरू होकर चहारसू चौराहा ,कोतवाली ,ओलन्दगंज ,जेसीज चौराहे होते हुए तिलकधारी सिंह महाविद्यालय पर जाकर उसका समापन किया। इस दौरान युवाओं के साथ धनंजय सिंह भारत माता की जयकारों व सरदार बल्लभ भाई पटेल अमर रहे के नारे लगाते हुए पद यात्रा निकाली गई।

2023 में पद यात्रा के दौरान नियमो के उल्लंघन का मुकदमा हुआ था दर्ज

धनंजय सिंह ने वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर 2023 में हजारों समर्थकों के साथ जन एकता रैली निकाली। चर्चा थी कि उन्होंने इसके लिए विधिवत अनुमति भी जिला प्रशासन से ले रखी थी। ये रैली नगर के मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज से सुबह करीब 9 बजे निकाली गई। आरोप है कि रैली में शक्ति का जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए भारी भीड़ इकठ्ठा की गई थी।

रैली यात्रा में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का भी प्रयोग किया गया था, जो काफी तीव्र था। रैली कलक्ट्रेट पहंची। यहां पर धनंजय सिंह ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा का माल्यार्पण किया। रैली खत्म होते ही शाम तक प्रशासन ने नियमों के उल्लंघन का संज्ञान ले लिया था।इसमें सर्वोच्च न्यायालय और शासन की गाइडलाइन का पालन नहीं किया गया था। रैली में तेज आवाज से लाउडस्पीकर बजाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाया गया था तहरीर के आधार पर नगर कोतवाली में केस दर्ज कर लिया गया था।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।